और तो और श्रीकृष्ण खुद अपने रूप पर मोहित हो जाते है। सोचते है - काश मैं राधा होता और इस रूप का आस्वादन करता।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

छोटे से श्रीकृष्ण जब घुटने के बल चलते थे  तो एक बार उन्होने अपना प्रतिबिंब घर में लगे मणिखंब में देखा। बालकृष्ण ने उस प्रतिबिंब के रूप से मोहित होकर उसका अलिंगन करना चाहा। प्रतिबिंब भला क्या अलिंगन करता? फिर रोने लगे।

ऐसे ही एक बार प्रतिबिंब को देखकर छोटे से श्रीकृष्ण ने सोचा कि घर में मेरे जैसा ही एक और बालक मौजूद है और उससे बाते करने लगे - देख, मैं तुझे भी आधा माखन खिलाया करूंगा। मैया को कुछ बताना नही। लेकिन प्रतिबिंब से हा या ना कुछ प्रतिसाद न मिलने पर श्रीकृष्ण ने सोचा शायद ये मैया को मेरी माखन चोरी के बारे में बतायेगा। इसके बताने से पहले क्यो ना मैं ही
मैया को बता दूँ? तो श्रीकृष्ण मैया के पास जाकर कहा, "मैया, तुम मुझपर माखन चोरी की झूठा ही इल्जाम लगाती हो। चलो आज मै तुझे असली चोर दिखाता हूँ।" श्रीकृष्ण मैया को खंबे के पास ले कर गये और अपना ही प्रतिबिंब दिखाकर कहा, "देख मैया, ये है असली चोर! अब तो तुझे यकीन हुआ कि नही मै माखन नही चुराता हूँ।"

मैया ने सोचा मेरा लाला कितना भोरा है! उसको इतना भी पता नही कि प्रतिबिंब चोरी नही कर सकता? मैया ने लाला को बडे प्यार से उठाकर अपने कंठ लगा लिया।

छोटे छोटे प्यारे प्यारे भोरे भारे कन्हैयालाल की जय!

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132